"जलीय आहार उत्पादन तकनीक" पर कौशल विकास प्रशिक्षणएवं टिकाऊ जलीय कृषि के लिए भोजन प्रबंधन”

दिनांक 11-15 दिसंबर, 2023

भा कृ अनु प -केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान , मुंबई द्वारा 11-15 दिसंबर 2023 के दौरान "टिकाऊ जलीय कृषि के लिए जलीय आहार उत्पादन तकनीक एवं भोजन प्रबंधन" पर 5 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में भारत के 13 विभिन्न राज्यों के कुल 32 व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन निदेशक और कुलपति डॉ. रविशंकर सी.एन.; आईसीएआर-सीआईएफई और डॉ. एन.पी. साहू, संयुक्त निदेशक, आईसीएआर-सीआईएफई डॉ. के. की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ । डॉ एन. मोहंता, विभागाध्यक्ष , मत्स्य पोषण, जैव रसायन और शरीर क्रिया विज्ञान विभाग से डॉ. सिकेंद्र कुमार और डॉ. मनीष जयंत, प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक के रूप मे योगदान दिया । अन्य संसाधन व्यक्ति, डॉ. सुबोध गुप्ता, डॉ. आशुतोष डी. देव और डॉ. टिंसी वर्गीस भी उपस्थित थे। प्रारंभ में समन्वयक डॉ. सिकेंद्र कुमार ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. रविशंकर सी.एन. फ़ीड के महत्व पर प्रकाश डाला गया क्योंकि यह आधुनिक जलीय कृषि में सबसे महत्वपूर्ण और महंगा इनपुट है। उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया और कामना की कि यह प्रशिक्षण मछली पोषण और एक्वाफीड पर उनके मौजूदा ज्ञान और समझ को बढ़ाएगा। इस अवसर पर एक प्रशिक्षण पुस्तिका का भी विमोचन हुआ। डॉ. एन.पी. साहू ने भारत में मछली आहार सामग्री और जलीय आहार परिदृश्य पर व्याख्यान दिया। डॉ. के.एन.मोहन्ता ने अपने व्याख्यान में बायोफ्लॉक और आरएएस पालन प्रणालियों में भोजन प्रबंधन पर जोर दिया। मछली चारा उत्पादन तकनीक; 12 सैद्धांतिक कक्षाओं के अलावा प्रशिक्षुओं को फ़ीड परीक्षण और गुणवत्ता आश्वासन का प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण से बहुत संतुष्ट हुए और इतना अच्छा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए डॉ. रविशंकर सी.एन. को धन्यवाद दिया।